

আন্তর্জাতিক অহিংসা দিবস এবং মহাত্মা গান্ধীর জন্মবার্ষিকী উদযাপন

আইআইইএসটি শিবপুরে ২রা অক্টোবর ২০২৫ তারিখে আন্তর্জাতিক অহিংসা দিবস এবং জাতির জনক মহাত্মা গান্ধীর জন্মবার্ষিকী উদযাপন করা হয়েছে। ইনস্টিটিউট সম্প্রদায় প্রথম লবিতে সমবেত হয়ে গান্ধীজির প্রতিকৃতিতে মালা ও ফুল অর্পণ করে শ্রদ্ধাঞ্জলি জানায়। দুজন স্নাতক ছাত্রী তাদের জীবনে গান্ধীজির শিক্ষার প্রাসঙ্গিকতা সম্পর্কে তাদের মতামত তুলে ধরেন।

আইআইইএসটি শিবপুরের সম্মানিত অধিকর্তা অধ্যাপক ভি. এম. এস. আর. মূর্তি সমাবেশে বক্তব্য রাখেন এবং সকলকে গান্ধীজির সত্য ও অহিংসার মূল্যবোধকে আলিঙ্গন করার জন্য অনুপ্রাণিত করেন। জাতীয় সঙ্গীত পরিবেশনের মাধ্যমে অনুষ্ঠানটি শেষ হয়।

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस और महात्मा गांधी की जयंती का उत्सव

आईआईইএসটি শিবপুর ने २ अक्टूबर २०२५ को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई। संस्थान समुदाय पहली लॉबी में एकत्रित हुए और गांधीजी के चित्र पर माला और फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दो स्नातक छात्राओं ने अपने जीवन में गांधीजी की शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए।

आईआईईएसटी शिवपुर के माननीय निदेशक प्रो. वी. एम. एस. आर. मूर्ति ने उपस्थित लोगों को संबोधित किये और सभी को गांधीजी के सत्य और अहिंसा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किये। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

Celebration of International Day of Non-Violence and the birth anniversary of Mahatma Gandhi

IEST, Shibpur celebrated International Day of Non-Violence and the birth anniversary of Mahatma Gandhi, the Father of the Nation, on 2nd October 2025. The Institute community gathered at the first lobby to pay homage to Gandhiji by offering garlands and flowers to his portrait. Two undergraduate students shared their reflections on the relevance of Gandhiji's teachings in their lives.

Prof. V. M. S. R. Murthy, Honourable Director of IEST, Shibpur, addressed the gathering and inspired everyone to embrace Gandhiji's values of truth and non-violence. The event concluded with the singing of the National Anthem.

Few glimpses of the event are as follows:







